प्रकाशन तिथि : 15 अक्टूबर, 2023
प्रेषण तिथि : 19 अक्टूबर, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 27 | अंक 15 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

बलिदान विवशता नहीं सौभाग्य है: संरक्षक श्री

साधना मार्ग पर हमारे हिस्से का भाग हमको ही देना है और कोई नहीं देगा। अपने दायित्व का पालन हमको ही करना होगा। यह एक ऐसी परीक्षा है जिसमें से होकर हर एक साधक को गुजरना ही पड़ता है। बलिदान का यह स्वर्णिम अवसर भाग्य से ही मिलता है। बलिदान कोई विवशता नहीं बल्कि साधक का सौभाग्य है। यह बूंद के सागर में मिलन का मार्ग है। मिलन का अर्थ है अपने अस्तित्व का विलय। संघ में भी हम यदि अपने आप को अलग बनाए रखते हैं तो हम संघ के नहीं हो सकेंगे। अपने अस्तित्व को हमें संघ में विलय करना है। यह विलय ही जीवन का लक्ष्य है। उपर्युक्त बात माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने 8 अक्टूबर को आलोक आश्रम में आयोजित पारिवारिक स्नेहमिलन में उपस्थित सहयोगियों से पूज्य तनसिंह जी रचित 'साधना पथ' पुस्तक के अवतरणों पर चर्चा करते हुए कही।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

विचार क्रांति है सामाजिक और राजनीतिक क्रांति का आधार: संघप्रमुख श्री

आज हम में से अधिकांश लोग राजनीतिक क्रांति की बात करते हैं लेकिन सीधे राजनीतिक क्रांति करना संभव नहीं है। सीधे राजनीतिक क्रांति के लिए प्रयास करना उसी प्रकार व्यर्थ है जैसे बीज से सीधे फल प्राप्त की आकांक्षा करना। यदि हमें किसी वृक्ष का फल प्राप्त करना है तो पहले हमें उस वृक्ष के बीज को उगाना पड़ेगा, उसे खाद पानी उपलब्ध कराना होगा। फिर वह बीज अंकुरित होकर पौधा बनेगा। हमें उस पौधे को संरक्षित करना पड़ेगा तब वह पौधा बड़ा होकर वृक्ष बनेगा और तब उस पर फल आएंगे। इसी प्रकार राजनीतिक क्रांति से पहले विचार क्रांति का बीजारोपण आवश्यक है और उस विचार क्रांति के माध्यम से सामाजिक क्रांति को लाना पड़ेगा और उसके आधार पर ही राजनीतिक क्रांति संभव होगी। इस कार्य में बहुत अधिक धैर्य की आवश्यकता है और इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ धैर्य के साथ अपने मार्ग पर बढ़ रहा है। जो सही मार्ग पर चलना प्रारंभ कर देता है, वह एक दिन गंतव्य पर भी पहुंच ही जाता है। यही पाठ श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें पढ़ा रहा है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने 2 अक्टूबर को गुजरात के पीलुडा में आयोजित स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें एक सूत्र में पिरोने आया है। पुष्पों को जब एक सूत्र में पिरोया जाता है तभी माला बनती है। पूज्य श्री तनसिंह जी का यह सपना था कि पूरे समाज को एक सूत्र में पिरोया जाए। वह सूत्र है - क्षत्रियत्व। श्री क्षत्रिय युवक संघ एक ही प्रकार की शिक्षा देता है और वह है - क्षत्रियत्व की शिक्षा। क्षत्रियत्व की शिक्षा का अर्थ तलवार चलाने की शिक्षा देना नहीं है बल्कि वह तलवार जिस शक्ति की प्रतीक है, उस शक्ति के अर्जन की शिक्षा है।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

अनवरत जारी है नवपीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों का सृजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के माध्यम से समाज की युवा पीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण का कार्य निरंतर चल रहा है। इसी क्रम में 27 सितंबर से 2 अक्टूबर की अवधि में श्री क्षत्रिय युवक संघ के 10 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुए जिनमें 1250 से अधिक शिविरार्थियों ने संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। अजमेर प्रांत के रूपनगढ़ में स्थित करणी पैलेस में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 28 सितंबर से 1 अक्टूबर की अवधि में आयोजित हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि संघ के शिविरों में हमें वह वातावरण

(दस प्राथमिक प्रशिक्षण शिविरों में 1250 शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण)

उपलब्ध होता है जिसमें हम अपने कर्त्तव्य की पुकार को सुन सकते हैं। यहां हमें वह प्रशिक्षण भी मिलता है जिससे हम उस कर्त्तव्य के पालन के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। आज के समय में जब सभी ओर केवल अधिकारों की प्राप्ति के लिए ही शोर हो रहा है, ऐसे में कर्तव्य के पालन की बात सिखाने वाला केवल संघ ही है। उन्होंने बताया कि शिविर में जो शिक्षण हम प्राप्त कर रहे हैं, वह स्थाई तभी बनेगा जब हम शाखा के माध्यम से निरंतर इसका अभ्यास करते रहें। शिविर में रूपनगढ, जाजोता, आऊ, जाखोलाई, तित्यारी, नेणियां, मोरडी, सोलखुर्द, देवरिया, पिपलाज, किशनगढ़, सरदार सिंह जी की ढाणी, सिंगला, भड्स्या, निटुटी, खाजपुरा, ढूंढीया, सलेमाबाद, देवली कला, भदूण, गहलोता, बेरवाई, हुल्ढणी, बागावास, सावली, धांधोली, जंजेवा आदि गांवों के 85 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। श्री सुमेर राजपूत छात्रावास की कार्यकारिणी के सदस्यों व स्थानीय समाजबंधुओं ने व्यवस्था में सहयोग किया। शिविर के दौरान 30 सितम्बर को शिविरार्थियों ने रूपनगढ के एतिहासिक दुर्ग का भ्रमण भी किया जिसमें उन्हें इस दुर्ग के ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी दी गई। बारां जिले की अंता तहसील में नागदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हम हमारे पूर्वजों के गौरवशाली और वैभवशाली इतिहास को स्मरण कर-के पुलकित होते हैं, लेकिन उस इतिहास का निर्माण हमारे पूर्वजों ने अपने सत्कर्मों से किया था। यदि हम अपने समाज के लिए उस गौरव और वैभव को पुनः प्राप्त करना चाहते हैं तो हमें भी उन्हीं की भांति सत्कर्म करने होंगे। उन्होंने कहा कि संघ हमें अपने क्षात्र धर्म के पालन का मार्ग बता रहा है।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

अनवरत जारी है नवपीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों का सृजन

झड़ोल

रूपनगढ़

(पेज एक से लगातार)

इस मार्ग पर चलकर ही हम परिवार, समाज, राष्ट्र, मानवता और ईश्वर के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन कर सकते हैं। बारां जिले में श्री क्षत्रिय युवक संघ का यह पहला शिविर था जिसमें बारां, बिजोलियां, कोटा, बूंदी, झालावाड़, झालरापाटन, करौली, जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर आदि जिलों के विभिन्न स्थानों से 54 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिवराज सिंह एवं प्रताप सिंह नागदा व लक्ष्मण सिंह बाड़ा पिच्यानौत ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। इसी अवधि में एक चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर राजपूत सभा भवन झड़ोल (भीलवाड़ा) में भी आयोजित हुआ। मेवाड़ मालवा संभाग प्रमुख बृजराजसिंह खारड़ा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि पूज्य श्री तनसिंह जी ने आजादी से पहले ही आने वाले समय में समाज की स्थिति को देख लिया था और इसीलिए उन्होंने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की जिससे समाज अपने खोए हुए मार्ग को पुनः प्राप्त कर सके। आज जिस तरह का वातावरण चारों ओर बना हुआ है उसमें संस्कारों का महत्व बहुत बढ़ गया है। इसीलिए संघ इन शिविरों के माध्यम से समाज की युवा पीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कार निर्मित करने का कार्य कर रहा है। शिविर में ठीकरिया, दांतडा, उलपुरा, मानसिंहपुरा, झड़ोल, टोकरा, देवरिया, चावंडिया, आबाखेड़ी, सल्यावड़ी, सूरजपुरा लपसिया, नरदास का गुड़ा, चौकी का खेड़ा, कालीमंगरी, रूपाहेली, भीलवाड़ा आदि से 85 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा में स्थित शबरी आश्रम में भी 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। टैंक बहादुर सिंह गेंहुवाडा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि आज समस्त संसार में अराजकता, अस्थिरता और अव्यवस्था फैल रही है। इससे मुक्ति के लिए सभी हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित राम राज्य जैसे शासन की कल्पना करते हैं। सच्चे क्षत्रिय के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि हम लोगों का क्षय से त्राण करें। इसके लिए हमें सामर्थ्यवान बनना होगा और उसके लिए शक्ति का संचय करना आवश्यक है। हमारी सुप्त शक्तियों के जागरण और उसके विवेकपूर्ण सात्विक उपयोग की प्रेरणा श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें दे रहा है। शिविर में आकोलागढ़, नेतावल खेड़ा, सोमी, लाख का खेड़ा, सिरडी, खेड़ीयाँ, छोटा खेड़ा, सावेर, सहाड़ा, लिखेड़ा, मालोला, नली खेड़ा, सेमलिया, रूपाहेली, बड़ोली, बुधपुरा, मुरोली, साल्ड़ा, चंदनपुरा, रूपाहेली, बेगूं किला आदि गांवों के 52 शिविरार्थियों ने भाग लिया। शिविर के समापन कार्यक्रम में कमलेन्द्र सिंह हाड़ा, चैन सिंह सेमलिया, अर्जुन सिंह कोलपुरा, गजेन्द्र सिंह जगपुरा सहित अनेकों स्थानीय समाजबंधु उपस्थित रहे। जोधपुर संभाग के शेरगढ़ प्रांत के डेरिया गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 27 से 30 सितंबर तक आयोजित हुआ। संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक ने शिविर का संचालन किया। शिविर के अंतिम दिन उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि इन चार दिनों में हमने जो कुछ यहां अनुभव किया है, वह सामान्य बात नहीं है। हम पर पूज्य श्री तनसिंह जी की कृपा है कि हमें इस विपरीत वातावरण में भी संघ की बात को सुनने का और जीवन में उतारने का अवसर मिल रहा है। अब यह हमारा दायित्व है कि हम पूज्य तनसिंह जी के संदेश को समाज के प्रत्येक बंधु तक पहुंचाएं। शिविर में 25 गांवों के 210 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समस्त ग्रामवासियों ने मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। बालोतरा संभाग के कोटड़ी गांव में स्थित सिमाड़ा बालाजी मंदिर में भी एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 29 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित हुआ। सिवाना प्रांत प्रमुख मनोहर सिंह सिणेर ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ कोई सीमित पाठ्यक्रम नहीं है जिसे एक निश्चित समयावधि में पूरा कर लिया जाए। यह एक साधना मार्ग है जिस पर निरंतर चलते रहना आवश्यक है। पूज्य श्री तनसिंह जी एक युग द्दष्टा, एक महापुरुष थे जिन्होंने समाज को यह मार्ग बताया जिस पर चलकर हम व्यष्टि से समष्टि और समष्टि से परमेष्टि तक की यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यहां जो अमृत तत्व आपके भीतर उतरा है उसे बाहर के विषैले वातावरण से सुरक्षित रखने के लिए निरंतर संघ की शाखा में जाएं। शिविर में कोटडी, खेजड़ियाली, कुंडल, पादरू, भगवती छात्रावास गढ़ सिवाना एवं वीर दुर्गादास छात्रावास बालोतरा से 184 युवाओं ने प्रशिक्षण किया। खेत सिंह कोटडी ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। उत्तर गुजरात संभाग के अरवल्ली प्रांत के मोडासा गांव में स्थित जीनियस हाई स्कूल में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित हुआ। इंद्रजीत सिंह जैतलवासना ने शिविर का संचालन करते हुए कहा कि स्वयं के जीवन में परिवर्तन लाकर ही समाज में भी परिवर्तन लाया जा सकता है। इसीलिए संघ हमें अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने का अभ्यास करवाता है और इसी उद्देश्य से ऐसे शिविरों का आयोजन करता है। शिविर में 39 गांवों के 139 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। पूर्णचंद्र सिंह छेल्लीघोड़ी ने स्थानीय सहयोगियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। मध्य गुजरात संभाग के अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत के देत्रोज तहसील के शिहोर गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। दिग्विजयसिंह पलवाड़ा ने शिविर का संचालन करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र का निर्माण कर रहा है। पूज्य श्री तनसिंह जी के विचारों को अपने जीवन में उतार कर हम उन विचारों को पूरे समाज और राष्ट्र में प्रसारित करने का कार्य कर रहे हैं। इस शिविर में अहमदाबाद, शिहोर, खोड़ा, पींपण, मोडासर, समौ, मखिया, पडुस्मा, साणंद आदि स्थानों के 77 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। श्री शिहोर राजपूत समाज की ओर से व्यवस्था का दायित्व संभाला गया। उत्तर गुजरात संभाग के बनसाकांठा प्रांत में पीलुड़ा गांव में मातृशक्ति का चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन नयना बा सांढखाखरा ने किया। उन्होंने उपस्थित मातृशक्ति से कहा कि एक बालिका पुत्री, बहन, पत्नी और माता आदि के रूप में अनेक भूमिकाओं का निर्वहन करती है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण दायित्व माता का होता है क्योंकि माता ही अपनी संतान में संस्कारों को डालती है। एक क्षत्रिय नारी के रूप में हमारा क्या कर्त्तव्य है, इसे हम रानी पद्मिनी, हाड़ी रानी, जीजाबाई आदि के जीवन से समझ सकती हैं। स्वयं संस्कारित होकर ही हम आने वाली पीढ़ी को भी संस्कारित बना सकेंगी। शिविर में वलादर, करबूण, नारोली, पीलुडा सहित 41 गांवों की 250 मातृशक्ति ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वरिष्ठ स्वयंसेविका जागृति बा हरदासकाबास व तन्वीबा छेल्लीघोड़ी ने भी संचालन में सहयोग किया। मध्य गुजरात संभाग के अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत में काणेटी गांव में भी मातृशक्ति का तीन दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन कल्पनाबा वावड़ी ने किया। उन्होंने कहा कि शिविर में होने वाली प्रत्येक गतिविधि में कोई ना कोई सीख हमारे लिए छिपी हुई है जिसे हमें समझकर अपने व्यवहार में उतारना है। छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर ही हम अपने जीवन को श्रेष्ठ बना सकते हैं इसलिए यहां बताई जाने वाली प्रत्येक बात का जागृत रहकर पालन करें। शिविर में काणेटी, साणंद, मोडासर, चेखला, कनीज, खोड़ा, रतनपुरा आदि गांवों से 117 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

पीलुड़ा

काणेटी

नागौर प्रांत के सहयोगियों की बैठक का आयोजन

नागौर स्थित श्री अमर राजपूत छात्रावास मे नागौर प्रांत के सहयोगियों की बैठक 7 अक्टूबर को आयोजित हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के नागौर संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा ने बताया कि यह वर्ष श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य तनसिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है एवं इसके निमित्त पूरे भारत में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। मुख्य जयंती कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 28 जनवरी को होगा। इस पुनीत अवसर के हम सभी सहभागी बनें और अपने समाज की एकता का परिचय दें। पूर्व उपप्रधान अजीत सिंह भाटी ने कहा कि पूज्य तनसिंह जी हम सभी के लिए आदर्श और प्रेरणास्रोत हैं। उनकी जन्म शताब्दी उन महापुरुष के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है जिसका हम सभी को लाभ लेकर अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में सम्मिलित होना है।

प्रांत प्रमुख उगम सिंह गोकुल, छात्रावास वार्डन मदन सिंह छापडा, दलीप सिंह हरीमा, गिरधारी सिंह जानेवा, करण सिंह बालवा, अर्जुन सिंह कुम्पडास, विजय प्रताप सिंह आकेली, शम्भू सिंह कादरपुरा, विष्णु सिंह सरासनी, पूनम सिंह सथेरण, महेन्द्र सिंह पाडारण, भवानी सिंह सुखवासी, विजेन्द्र सिंह कालवा, तेज सिंह बालवा, बन्ने सिंह हरीमा, सोमेन्द्र सिंह सुरजनियावास, महेन्द्र सिंह मांजरा, किशन सिंह अलाय, विजय सिंह खेतास, पुष्पेन्द्र सिंह देउ, विक्रम सिंह खारीकर्मसोता सहित अनेकों सहयोगी बैठक में उपस्थित रहे।

पुणे में जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त बैठक का आयोजन

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त पुणे शहर में 9 अक्टूबर को बैठक रखी गई। रणजीत सिंह चौक ने जन्म शताब्दी समारोह के लिए पुणे से अधिकाधिक संख्या में दिल्ली पहुंचने की बात कही। राजस्थान राजपूत समाज पुणे के अध्यक्ष दलपतसिंह सुरावा व उपाध्यक्ष शैतान सिंह तेलपुर ने भी समारोह में चलने के लिए आग्रह किया। देवी सिंह सिणेर ने दिल्ली जाने के लिए मुम्बई से बुक की गई स्पेशल ट्रेन की जानकारी दी।

बालोतरा, बायतु व सिवाना की प्रांतीय बैठकें संपन्न

पूज्य तनसिंह जी जन्मशताब्दी महोत्सव की तैयारी के लिए बालोतरा संभाग के तीनों प्रान्तों में बैठकें 8 अक्टूबर को आयोजित की गई। बालोतरा एवं बायतु प्रान्त की संयुक्त बैठक वीर दुगार्दास छात्रावास बालोतरा में आयोजित हुई जिसमें प्रान्त प्रमुख चंदन सिंह थोब व मूल सिंह चांदेसरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। सिवाना प्रान्त की बैठक कल्ला रायमलोत छात्रावास सिवाना में संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाड़ी के संचालन में आयोजित हुई। प्रांत प्रमुख मनोहर सिंह सिणेर भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बैठकों में समारोह की तैयारियों की रूपरेखा बनाकर तदनुरूप दायित्व सौंपे गए।

हैदराबाद में स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद स्थित संजीवैया पार्क में श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा 8 अक्टूबर को एक स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए गोपाल सिंह भियाड़, महेंद्र सिंह नौसर व गोवर्धन सिंह जाखडी द्वारा दिल्ली में होने वाले पूज्य श्री तनसिंह जयंती समारोह की जानकारी दी। 22 अक्टूबर से विजयवाड़ा में आयोजित होने वाले प्राथमिक परीक्षण शिविर की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। मदन सिंह देवड़ा व गोपाल सिंह चारणीम सहित शहर में रहने वाले अनेकों स्वयंसेवक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सूरत शाखा में मनाया अधिकतम संख्या दिवस

8 अक्टूबर को सूरत शहर मंडल की पृथ्वीराज शाखा में अधिकतम संख्या दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सूरत शहर में रहने वाले समाजबंधु सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया गया। शाखा में कुल संख्या 451 रही।

गुजरात के आठ गांवों में की संपर्क यात्रा

गुजरात में पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त वरिष्ठ स्वयंसेवक 93 वर्षीय बलवंत सिंह पांची द्वारा 93 गांवों की संपर्क यात्रा के क्रम में 7 अक्टूबर को आठ गांवों में संपर्क किया गया। धारडी, त्रापज, तनसा, वावड़ी, सानोदर, भंडारीया, बुधेल एवं अधेवाड़ा गांवों की इस यात्रा में मंगलसिंह धोलेरा, छनूभा पच्छेगांव और अजीतसिंह थलसर भी शामिल हुए। चंद्रसिंह खंढेरा व नरेंद्रसिंह सानोदर ने व्यवस्था में सहयोग किया। इस अभियान में अब तक 84 गांव में यात्रा की जा चुकी है।

सेवानिवृत्ति समारोह में दिया जन्म शताब्दी वर्ष का निमंत्रण

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक शक्ति सिंह कोटडा 30 सितंबर को गुजरात स्टेट रिजर्व पुलिस से सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह के दौरान श्री क्षत्रिय युवक संघ के बारे में सभी को जानकारी दी गई एवं पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष का निमंत्रण दिया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय शाखा प्रभारी छनुभा पच्छेगाम कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

संपादकीय

एकपक्षीयता को छोड़ें, एकनिष्ठता को अपनाएं

एकनिष्ठता और एकपक्षीयता - दोनों शब्द एक से प्रतीत होते हैं, एक से अर्थ का आभास कराते हैं लेकिन वास्तव में दोनों में बहुत अंतर है। एकनिष्ठता और एकपक्षीयता दोनों के परस्पर विपरीत गुणधर्म हैं। एकनिष्ठता व्यक्ति के समर्पण की क्षमता की प्रतीक है तो एकपक्षीयता व्यक्ति के अहंकार का प्रकटीकरण है। एकनिष्ठता हमारे चरित्र की स्थिरता और दृढ़ता का आधार बनती है जबकि एकपक्षीयता हमारे व्यक्तित्व की संकुचितता का प्रमाण होती है। एकनिष्ठता जहां संपूर्णता के प्रति नमनशील होकर उस दिशा में आगे बढ़ कर स्वयं पूर्ण होने का मार्ग प्रशस्त करती है तो वहीं एकपक्षीयता किसी अस्तित्व के किसी एक ही अंश को पकड़कर कट्टरता की जनक बनती है। एकनिष्ठता और एकपक्षीयता में ये अंतर बुनियादी है, आधारभूत है लेकिन साथ ही बहुत सूक्ष्म भी है इसलिए साधारणतया ये अंतर हमारी पकड़ में नहीं आता और कभी हम एकनिष्ठता को एकपक्षीयता और कभी एकपक्षीयता को एकनिष्ठता समझने की भूल कर बैठते हैं। हमारा व्यक्तित्व एकनिष्ठ है या एकपक्षीय, यह हमारे जीवन की दिशा और दशा को तय करने वाला कारक बनता है, इसलिए इस विषय में चिंतन करना और एकनिष्ठता व एकपक्षीयता के अंतर को समझना आवश्यक है। हम अपने सामान्य जीवन व्यवहार का अवलोकन करें तो हमें सरलता से यह अंतर समझ में आ जायेगा।

उदाहरण के लिए हम अपने समाज के प्रति अपने भाव को लें। अधिकांशतया हम सबका यह दावा रहता है कि हम अपने समाज के प्रति निष्ठावान है, उसके हित में कार्य करते हैं या करना चाहते हैं और उसके लिए त्याग और संघर्ष करने को भी स्वयं को तैयार मानते हैं। ऐसे ही भाव का दावा अन्य जाति-समाजों के लोग भी अपने जाति-समाज के प्रति रखते हैं। लेकिन आज के समय में अपनी जाति के प्रति प्रेम, निष्ठा और समर्पण का दावेदार यह भाव अधिकांशतया अन्य जातियों व समाजों के प्रति घृणा, ईर्ष्या और कुंठा के रूप में ही प्रकट होता हुआ दिखाई पड़ता है। इसका कारण ढूंढेंगे तो पाएंगे कि समाज के प्रति एकनिष्ठता की अपेक्षा एकपक्षीयता का भाव अधिक प्रभावी है। यदि वास्तव में समाज को आराध्य मानकर उसके प्रति एकनिष्ठता का भाव किसी के हृदय में होगा तो उसका प्रयास समाज की श्रेष्ठ विशेषताओं के अनुकूल स्वयं को श्रेष्ठ बनाने का होगा, समाज के अन्य लोगों को श्रेष्ठ बनाकर स्वयं के समाज को श्रेष्ठ लोगों का समाज बनाने का होगा और इसके लिए वह सम्पूर्ण समर्पण के साथ इस कार्य में लगेगा तथा यह कार्य करते हुए स्वयं को कृतार्थ अनुभव करेगा। वहीं दूसरी ओर जिसके मन में समाज के प्रति एकपक्षीयता का भाव है वह समाज को श्रेष्ठ बनाने में प्रयासरत होने की अपेक्षा समाज के श्रेष्ठ होने का दावा करेगा और उस दावे को अन्यों को हेय बताकर सत्य सिद्ध करने का प्रयास करेगा। इस प्रकार वह अपने अहंकार को ही तुष्ट करने का प्रयास करता है और इसी अहंकार के कारण वह अपने समाज को भी आराध्य मानने की अपेक्षा उसे दया का पात्र मानकर उस पर एहसान करने का दंभ भरता है। ऐसा व्यक्ति समाज के प्रति शिकायत, क्रोध और हताशा से भरा रहता है और स्वयं भी नकारात्मकता को धारण कर अपने विकास का मार्ग स्वयं ही अवरुद्ध कर देता है। इस कसौटी पर हम अपने आप को कसेंगे तो हम यह जान सकते हैं कि समाज के प्रति हमारा भाव एकनिष्ठता का है अथवा एकपक्षीयता का। समाज में कार्य करते हुए हमारे हृदय में कृतार्थता है या क्षोभ और शिकायत है, इसी प्रश्न के उत्तर पर यह निर्भर करता है कि हमारा व्यक्तित्व एकनिष्ठ है अथवा एकपक्षीय। इसी कसौटी को हम अपने स्वयं के जीवन पर भी लागू कर सकते हैं, अपने परिवार और राष्ट्र के प्रति अपने भाव पर भी लागू कर सकते हैं और यह जान सकते हैं कि हम एकनिष्ठ हैं या एकपक्षीय।

गहराई से चिंतन करेंगे तो हम पाएंगे कि आज एकनिष्ठता के दावे पर प्रच्छन्न रूप से एकपक्षीयता को ही सभी जगह पोषण मिल रहा है। आज व्यक्ति की धारणाएं ही नहीं, उसका व्यक्तित्व भी एकपक्षीय बनता जा रहा है। इस विचार प्रधान युग में व्यक्ति बुद्धि को इतना महत्त्व देने लगा है कि भावना, विश्वास, श्रद्धा जैसे तत्व उसके व्यक्तित्व में स्थान ही नहीं पा रहे हैं और वह स्वार्थी, शुष्क और अहंकारी बनता जा रहा है। उसका कारण यही है कि सत्य के भीतर उतरकर उसे ग्रहण करने की अपेक्षा उसके बाह्य आवरण को ही पकड़ने की भूल सभी कर रहे हैं। ऐसा ही एकनिष्ठता के साथ भी हम कर रहे हैं और उसके मूल स्वरूप को न जानकर उसके भ्रम में एकपक्षीयता को ही धारण करके कट्टरता और नकारात्मकता के शिकार हो रहे हैं। वैसे तो एकनिष्ठता और एकपक्षीयता दोनों में ही मूल शब्द 'एक' है लेकिन वास्तव में केवल एकनिष्ठता ही एकत्व का प्रतिनिधित्व करती है क्योंकि उसमें जिस तत्व के प्रति हमारी निष्ठा है उसके अतिरिक्त अन्य सभी तत्व गौण हो जाते हैं, जबकि एकपक्षीयता में अन्य पक्ष भी उपस्थित रहते ही हैं, चाहे वे विरोधी के रूप में ही हों।

उदाहरणार्थ हम श्री क्षत्रिय युवक संघ को ही लें तो संघ को उसकी संपूर्णता में जानकर जो उसके प्रति एकनिष्ठता का भाव रखता है उसके जीवन के अन्य सभी आयाम उसकी इस एकनिष्ठता के पूरक बन जाते हैं, वहीं यदि कोई संघ के किसी एक पक्ष को ही पकड़ कर चलना चाहे तो वह अन्य पक्षों के साथ विरोध अनुभव करेगा और उसकी गति रुक जाएगी। जो एकपक्षीय दृष्टिकोण से संघ को देखते हैं उनमें से कोई संघ को राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने का साधन समझता है, तो कोई उसे समाज को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने का माध्यम मानता है, तो कोई उसे आध्यात्मिक या दार्शनिक संगठन ही मानता है। ऐसा व्यक्ति अपनी उस मान्यता के अनुसार ही संघ को देखता है और उसके अन्य पक्षों को उपेक्षणीय या विरोधी मानने लग जाता है। ऐसे व्यक्ति संघ को उसकी संपूर्णता में नहीं समझ पाते और इसीलिए संघ के स्वयंसेवक जब संघ के प्रति समर्पण से कार्य करते हैं, उसे उसकी संपूर्णता में स्वीकार करते हैं तो उसे वे एकपक्षीयता बताने लगते हैं जबकि वह एकपक्षीयता वास्तव में उनके ही दृष्टिकोण की होती है। श्री क्षत्रिय युवक संघ इस प्रकार की एकपक्षीयता को व्यक्ति और समाज के विकास की एक बड़ी बाधा मानता है और इसलिए संघ एकनिष्ठता को सर्वाधिक महत्व देता है क्योंकि उसके आने से ही व्यक्तित्व की एकपक्षीयता समाप्त हो सकती है। एकनिष्ठता ही हमारे जीवन में प्राथमिकताओं का सही क्रम निर्धारित कर सकती है अन्यथा एकपक्षीय दृष्टिकोण जीवन में असंतुलन पैदा कर देता है। एकनिष्ठता के महत्त्व को समझकर ही भारतीय मानस में 'एकै साधे सब सधै, सब साधै सब जाय' के सिद्धांत को महत्ता मिली। अतः हम भी अपने जीवन से एकपक्षीय दृष्टिकोण को त्यागकर एकनिष्ठता को अपनाएं और उसके माध्यम से अपनी सुप्त क्षमताओं को जागृत करें। श्री क्षत्रिय युवक संघ की प्रणाली में इस एकनिष्ठता के सृजन की सहज प्रक्रिया विद्यमान है। आएं, हम भी इसका अंग बनें।

मुरादाबाद में जन्म शताब्दी समारोह की तैयारी बैठक का आयोजन

महाराज मुकट सिंह शेखावत संस्थान की मुरादाबाद इकाई एवं राजपूताना क्षत्रिय सभा के संयुक्त तत्वावधान में श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी कार्यक्रम की तैयारी हेतु क्षत्रिय समाज की बैठक उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद स्थित गौर ग्रेसियस मीटिंग हॉल में 1 अक्टूबर को आयोजित हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रांत प्रमुख रेवत सिंह धीरा ने संघ की कार्यप्रणाली के बारे में सभी सदस्यों को अवगत कराया और जन्मशताब्दी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी से निवेदन किया। क्षेत्र में अगली तैयारी बैठक 29 अक्टूबर को रखने का भी निर्णय हुआ। बैठक में डॉ. प्रमेन्द्र सिंह, मुरादाबाद राजपूत महासभा के अध्यक्ष राजकुमार सिंह चौहान, हरीराज सिंह चौहान, प्रशांत सिंह, धनंजय सिंह, वीर सिंह व राजवीर सिंह मोरना, डॉ. चेतन स्वरूप सिंह राजावत सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

मासिक सभा में हुआ बरवाली फाउंडेशन का गठन

1 अक्टूबर को जयपुर के गोकुलपुरा में मासिक सभा का आयोजन हुआ जिसमें बरवाली गाँव के जयपुर में रहने वाले समाजबंधुओं द्वारा बरवाली फाउंडेशन का गठन किया गया। गाँव में होने वाले श्री बालाजी के रोट के कार्यक्रम के साथ झुंजार जी दादोसा का स्थान के रख-रखाव के संबंध में वार्षिक कार्यक्रम तैयार करने पर चर्चा की गई। जयपुर में निवासरत बरवाली के सभी समाजबंधु एक दुसरे के सम्पर्क में रहकर एक दूसरे का सहयोग कर सकें, इस पर भी चिंतन हुआ। दिल्ली में होने वाले पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में तीन से चार बसों द्वारा पहुंचने का भी निर्णय किया गया। देवेंद्र सिंह बरवाली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया। गोपाल सिंह, हितेन्द्र सिंह, रुपेन्द्र सिंह, गजेन्द्र सिंह, आदित्य सिंह, लक्ष्मण सिंह आदि सभा में उपस्थित रहे। भंवर सिंह ने व्यवस्था में सहयोग किया।

बाड़मेर शहर का प्रांतीय स्नेहमिलन संपन्न

बाड़मेर शहर का प्रांतीय स्नेहमिलन 28 सितंबर को गेहूं रोड स्थित आलोक आश्रम में माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के सान्निध्य में संपन्न हुआ। बैठक में पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह की तैयारियों की समीक्षा की गई एवं आगे के लिए कार्ययोजना बनाई गई। बाड़मेर से दिल्ली के लिए जाने वाली विशेष रेलगाड़ियों की टिकट बुकिंग, कार्यक्रम के लिए प्रांत के विभिन्न गांवों में संपर्क आदि बिंदुओं पर भी चर्चा हुई।

सीकर में जन्म शताब्दी समारोह की तैयारी बैठक संपन्न

सीकर स्थित बिडोली हाऊस में 11 अक्टूबर को एक बैठक का आयोजन हुआ जिसमें शेखावाटी क्षेत्र के सहयोगी सम्मिलित हुए एवं दिल्ली में होने वाले पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में शेखावाटी क्षेत्र के गांवों में संपर्क एवं प्रचार-प्रसार हेतु योजना बनाई गई। प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

अनंतजीत सिंह नरूका और सचिन तंवर ने एशियाई खेलों में जीते पदक

चीन के हांगझोऊ में आयोजित हुए एशियाई खेल - 2023 में शूटिंग के शॉटगन स्कीट के इंडिविजुअल इवेंट में अनंतजीत सिंह नरूका ने रजत पदक जीता। टोंक जिले के उनियारा कस्बे के निवासी अनंतजीत सिंह का अगला लक्ष्य ओलंपिक में देश के लिए पदक जीतना है। महेंद्रगढ़ के पाथेड़ा गांव के निवासी सचिन तंवर भी एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय कबड्डी दल का हिस्सा रहे।

हेमकंवर देपालसर बनी डीआरडीओ में वैज्ञानिक

चुरू जिले के देपालसर गांव की निवासी हेमकंवर पुत्री नरेंद्र सिंह राठौड़ का भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में वैज्ञानिक के पद पर चयन हुआ है। उन्होंने 11 अक्टूबर को डीआरडीओ के जोधपुर केंद्र पर रिसर्च विंग में ज्वाइन किया। हेमकंवर ने जयपुर की मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) से फिजिक्स में पीएचडी की है। उन्होंने किशनगढ़ की सेंट्रल यूनिवर्सिटी से 3 वर्षीय इंटीग्रेटेड एमएससी बीएड में भी स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। वे गेट एवं नेट-जेआरएफ की परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुकी हैं।

महाराणा प्रताप बोर्ड में अध्यक्ष और सदस्यों का मनोनयन

राजस्थान सरकार द्वारा 8 अक्टूबर को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सात अन्य सदस्यों का मनोनयन किया गया है। लाल सिंह झाला (उदयपुर) को अध्यक्ष एवं रघुवीर सिंह राठौड़ को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। हेम सिंह शेखावत (सीकर), राधेश्याम तंवर (जयपुर), गोपाल सिंह चौहान (उदयपुर), परमेंद्र सिंह (जोधपुर), धनसिंह नरूका (जयपुर), भगवती देवी झाला (चित्तौड़गढ़) एवं नारायण सिंह राठौड़ (गोटन) को सदस्य मनोनीत किया गया है।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	21.10.2023 से 24.10.2023 तक	**भायला,** सहारनपुर, उत्तरप्रदेश।
02.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	22.10.2023 से 24.10.2023 तक	**विजयवाड़ा,** आंध्रप्रदेश।
03.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	22.10.2023 से 25.10.2023 तक	**राजमथाई,** जैसलमेर।
04.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	22.10.2023 से 25.10.2023 तक	**सलखा,** जैसलमेर।
05.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	22.10.2023 से 25.10.2023 तक	**छगनपुरी की छतरी,** साजित, जैसलमेर।
06.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	21.10.2023 से 24.10.2023 तक	**कोलायत,** बीकानेर।
07.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	04.11.2023 से 10.11.2023 तक	**गड़ा,** शेरगढ़, जोधपुर।
08.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	05.11.2023 से 11.11.2023 तक	**केशुआ,** सिरोही।
09.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	07.11.2023 से 10.11.2023 तक	**धरावा,** चूरू।
10.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	07.11.2023 से 10.11.2023 तक	**नोखा,** जैसलमेर।
11.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	16.11.2023 से 22.11.2023 तक	**सूरत,** गुजरात

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

देवेंद्र सिंह बुटाटी बने आर्थिक पिछड़ा वर्ग बोर्ड के अध्यक्ष

नागौर जिले के बुटाटी गांव के निवासी कांग्रेस नेता देवेंद्र सिंह को राजस्थान सरकार ने आर्थिक पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) बोर्ड का अध्यक्ष मनोनीत किया है। उन्होंने 9 अक्टूबर को अपना पदभार ग्रहण किया। देवेंद्र सिंह श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की जयपुर टीम के सहयोगी है।

भानुमती चुंडावत एवं लक्ष्मी भाटी की रचनाओं का साहित्य अकादमी में चयन

जोधपुर निवासी राजस्थानी साहित्य की लेखिका डॉ. भानुमति चुंडावत की रचना 'लाज सूं ताज तांई' और डॉ. लक्ष्मी भाटी की रचना 'ठाकुर राम सिंह तंवर रौ राजस्थानी भाषा आंदोलन में सहयोग' को राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा पांडुलिपि प्रकाशन सहयोग योजना के तहत प्रकाशित करने हेतु चुना गया है। अकादमी के अध्यक्ष शिवराज छंगाणी की अध्यक्षता में आयोजित कार्य समिति एवं सभा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

भादरवा, मोडासा और शिहोर में स्नेहमिलन संपन्न

भादरवा

पूज्य श्री तनसिंह जी की जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त मध्य गुजरात संभाग के चरोतर प्रांत के भादरवा (वडोदरा) में 8 अक्टूबर को स्नेहमिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ स्वयंसेवक धर्मेंद्रसिंह आंबली ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ पूज्य श्री तनसिंह जी की समाज के प्रति पीड़ा का परिणाम है। ऐसी पीड़ा हमारे जीवन में भी जगे, उसी उद्देश्य से ऐसे स्नेहमिलन आयोजित करके तनसिंह जी का संदेश सुनाया जा रहा है। उन्होंने सभी को दिल्ली में आयोजित होने वाले जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया। आकाश सिंह भादरवा ने सभी का शाब्दिक स्वागत किया। नितिन सिंह भादरवा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया एवं भादरवा रियासत के इतिहास की जानकारी दी। श्री कच्छ-सौराष्ट्र राजपूत एसोसिएशन वडोदरा के अध्यक्ष किशोर सिंह शिशांग व मध्य गुजरात राजपूत समाज के विक्रम सिंह मिंयागाव ने भी अपने विचार रखे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के मध्य गुजरात संभाग प्रमुख अणदुभा काणेटी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अरविंद सिंह काणेटी ने कार्यक्रम का संचालन किया। उत्तर गुजरात संभाग के अरवल्ली प्रांत के मोडासा गांव में भी 1 अक्टूबर को श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें निकटवर्ती गांवों से समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे। संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें हमारे कर्तव्य की याद दिलाने का कार्य कर रहा है। हमारे पूर्वजों ने त्याग और बलिदान का मार्ग अपनाकर समाज, धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा की। आज उस त्याग और बलिदान के अभाव में संसार पतन की ओर जा रहा है। इस पतन को रोकने का दायित्व क्षत्रिय का ही है और श्री क्षत्रिय युवक

भादरवा

संघ हमारे समाज को इसके लिए तैयार कर रहा है। संभाग प्रमुख विक्रम सिंह कमाणा ने पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह की जानकारी देते हुए सभी से दिल्ली में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में पहुंचने का निवेदन किया। कार्यक्रम में अजीत सिंह थलसर, सहदेव सिंह मूली, कृष्ण सिंह थलसर, राजेंद्र सिंह भेसाणा, वनराज सिंह भेसाणा, पूर्णचंद्र सिंह छेल्लीघोड़ी सहित अनेको सहयोगी व समाजबंधु उपस्थित रहे।

मोडासा

मध्य गुजरात संभाग के अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत के देत्रोज तहसील के शिहोर गांव में भी 1 अक्टूबर को श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें निकटवर्ती गांवों से समाजबंधु उपस्थित रहे। संभाग प्रमुख अणदुभा काणेटी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त विशेष शाखाओं का आयोजन

चितौड़गढ़ प्रांत में पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त विशेष शाखा का आयोजन सामुदायिक भवन सतखण्डा में 1 अक्टूबर को किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय देते हुए समाज में संगठन की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने संघ साहित्य, शाखाओं, शिविरों आदि की जानकारी दी, साथ ही जन्म शताब्दी समारोह में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का निवेदन किया। एडवोकेट लक्ष्मण सिंह बडोली ने भी अपने विचार रखे। 8 अक्टूबर को अजमेर प्रांत की विशेष साप्ताहिक शाखा का आयोजन माता जी मंदिर, स्यार, सरवाड़ में किया गया। अजमेर प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालियां सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। देशराज सिंह लिसाड़ीया द्वारा श्री क्षत्रिय युवक संघ व जन्म शताब्दी समारोह के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ठा. हरी सिंह, छोटू सिंह, दशरथ सिंह, मोहन सिंह,भंवर सिंह, विक्रम सिंह, अजयराज सिंह, जीवराज सिंह, विरेंद्र प्रताप सिंह सहित अनेकों ग्रामवासी उपस्थित रहे। चितौड़गढ़ के सावा में भी विशेष शाखा आयोजित हुई जिसमें केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। सत्यपाल सिंह, रविंद्र सिंह सावा ने भी संघ के बारे में अपने विचार रखे। 8 अक्टूबर को ही डाबियो का गुड़ा और करौली में भी विशेष शाखाएं आयोजित की गई जिनमें संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

मुरादाबाद में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक संपन्न

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में स्थित न्यूरोन हॉस्पिटल में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की एक बैठक 7 अक्टूबर को आयोजित हुई। संस्थान के प्रदेश प्रभारी सौरभ ठाकुर ने बैठक में अपने विचार रखते हुए समाज के हर परिवार को महासभा

से जोड़ने की बात कही साथ ही समाज के बच्चों को शिक्षा दिलाने में महासभा द्वारा सहयोग करने की बात कही। डॉक्टर ए के सिंह ने समाज के युवकों को अपना स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया और अपने अंदर क्षत्रियत्व की भावना बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. राजेश सिंह ने समाज के युवाओं को नशे से दूर करने के लिए अभियान के रूप में कार्य करने की बात कही। दीप सौरभ सिंह, देवेन्द्र सिंह, पूनम चौहान, कुमकुम सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन हरवीर सिंह ने किया। बैठक के दौरान अनुज सिंह को मुरादाबाद जिला अध्यक्ष, कटघर निवासी देवेंद्र सिंह को महानगर अध्यक्ष, नवदीप चौहान को बिजनौर जिलाध्यक्ष, शिवपुरी निवासी गौरव सिंह को जिला उपाध्यक्ष, जे पी सिंह को विधि विभाग अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। महिला इकाई से प्रेमलता राघव को जिला अध्यक्ष व नीतू सिंह राजपूत को महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

क्षत्रिय इकोनॉमिक फोरम की बैठक गाजियाबाद में संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा प्रारंभ क्षत्रिय इकोनॉमिक फोरम के दिल्ली चैप्टर की बैठक 8 अक्टूबर को गाजियाबाद में आयोजित हुई जिसमें दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के उद्यमी समाजबंधु सम्मिलित हुए। बैठक में श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा के निर्देशन में जन्म शताब्दी समारोह की तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई। क्षत्रिय इकोनॉमिक फोरम की प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को अलग-अलग स्थानों पर बैठक आयोजित की जाती है, उसी क्रम में इस बैठक का भी आयोजन हुआ।

श्रमदान करके दिया राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान में सहयोग

महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में देश भर में आयोजित स्वच्छता अभियान के अंतर्गत 1 अक्टूबर को बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के निर्देशन में सहयोगियों द्वारा श्रमदान किया गया। संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली व अन्य सहयोगियों ने मिलकर आश्रम तक आने वाली सड़क की सफाई की। सूरत प्रांत में गोडादरा स्थित महर्षी आस्तिक स्कूल में नियमित लगने वाली वीर दुगार्दास शाखा के स्वयंसेवकों द्वारा भी 2 अक्टूबर को प्रातः 6:30 बजे से 7:30 बजे तक श्रमदान किया गया।

रेवदर में जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

श्री क्षत्रिय शिक्षण संस्थान रेवदर के तत्वावधान में जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं राजपूत समाज स्नेह मिलन कार्यक्रम सिरोही के रेवदर में स्थित लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल में 24 सितंबर को आयोजित किया गया। उपस्थित प्रतिभाओं एवं समाज बंधुओ को संबोधित करते हुए आशापुरा ट्रस्ट के अध्यक्ष करण सिंह ने कहा कि राजपूत समाज तपस्या और बलिदान का प्रतीक रहा है। हमारा एक अलग इतिहास रहा है। इस समाज में महाराणा प्रताप, राव सुरताण जैसे शूरवीर हुए हैं।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजेंद्र सिंह ने कहा कि राजपूत हमेशा आमजन की रक्षा के लिए बलिदान देते आए हैं। उन्होंने समाज में शिक्षा के साथ-साथ तकनीक से खेती पर बल दिया। जालौर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह बालावत ने कहा कि आज के युग में प्रतिभा को धैर्य के साथ आगे बढ़ना होगा। जीवन में धैर्य के साथ निरंतर रूप से जो प्रयास करते हैं, वे सफलता के नए आयाम स्थापित करते हैं। गुजरात में न्यायिक मजिस्ट्रेट गौतम सिंह मगरीवाडा, पुलिस उपाधीक्षक जेठू सिंह, सिरोही के पूर्व जिला प्रमुख चंदन सिंह देवड़ा, व्याख्याता गोविंद कंवर, पूर्व प्रधान नीति राज सिंह, दिलीप सिंह देवड़ा, पूर्व प्रधान प्रज्ञा कंवर, पद्मा कंवर, भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह, गणपत सिंह, कृष्णवीर सिंह रोहुआ, शिक्षक नेता उदय सिंह, दीपेंद्र सिंह पीथापुरा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। सरपंच संघ के अध्यक्ष भवानी सिंह भटाना ने सभी का स्वागत किया। संस्थान के सचिव भागीरथ सिंह लूणोल ने पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में जानकारी देते हुए सभी को दिल्ली में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम में शैक्षणिक, खेल, राजकीय सेवा, स्काउटिंग, NCC आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भवानी सिंह निंबज, शिवराज सिंह मंडार, कृष्ण पाल सिंह डबाणी, शिवगंज प्रधान ललिता कंवर, सुलतान सिंह डाक, श्रम कल्याण अधिकारी गजराज सिंह, वाणिज्य कर अधिकारी महिपाल सिंह देवड़ा, हरि सिंह सोढा, आरटीएस मनोहर सिंह, चंद्रवीर सिंह सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

बज्जू (बीकानेर) में स्नेहमिलन कार्यक्रम संपन्न

बीकानेर संभाग में बज्जू स्थित राधा कृष्ण मंदिर परिसर में 8 अक्टूबर को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त स्नेहमिलन का आयोजन किया गया। खींव सिंह सुल्ताना ने श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य श्री तनसिंह जी का परिचय प्रस्तुत किया। भवानी सिंह मुंगेरिया ने पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह की जानकारी देते हुए सभी से दिल्ली में होने वाले मुख्य कार्यक्रम में सहभागी बनने का निवेदन किया। गणपत सिंह अवाय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम सामूहिक रूप से किस प्रकार राष्ट्र निर्माण में सहयोगी बन सकते हैं, इसका प्रशिक्षण हमें श्री क्षत्रिय युवक संघ देता है। संघ संस्कार निर्माण के माध्यम से समाज की युवा शक्ति में दायित्व बोध को जागृत कर रहा है जिसकी आज सर्वाधिक आवश्यकता है। संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर ने बीकानेर संभाग से दिल्ली के लिए जाने वाली विशेष रेलगाड़ी के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में सुखदेवपूरा, आशापुरा, करणीपुरा, भलुरी, मेड़ी का मगरा, सेवड़ा, गोकुल, विकेंद्री, पँवारवाला, गिराजसर, नाचना, दंडकला, छीला कश्मीर, भुरासर, हिंदुपुरा, सन्तोषनगर, चारणवाला आदि गांवों से समाजबंधु उपस्थित रहे।

नोखा (बीकानेर) में स्नेहमिलन संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 1 अक्टूबर को नोखा स्थित गौतम भवन में श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। शेखावाटी संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन द्वारा संघ हमारे सामाजिक भाव को मजबूत करते हुए आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान कर रहा है। आपसी संपर्क और संवाद की निरंतरता से हममें संगठन का भाव मजबूत होता है। बीकानेर संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर ने बताया कि 28 जनवरी 2024 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाले पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह हेतु बीकानेर संभाग से विशेष रेलगाड़ी आरक्षित की गई है जो नोखा से रवाना होकर बीकानेर व श्री डूंगरगढ़ होते हुए दिल्ली जाएगी। उन्होंने सभी समाजबंधुओ से इस भव्य आयोजन का साक्षी बनने का निवेदन किया। बीकानेर प्रांत प्रमुख राजेंद्र सिंह आलसर ने श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया। नोखा कोलायत प्रांत प्रमुख करणी सिंह भेलू ने कार्यक्रम का संचालन किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक जोरावर सिंह भादला सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

बलिदान विवशता...

उन्होंने कहा कि बूंद का उद्गम सागर से ही है। सागर का जल गर्मी से भाप बनता है, उसी भाप से बादल बनते हैं, उन्हीं बादलों से वर्षा की बूंदे बरसती है और वे नदियों के माध्यम से वापस समुद्र में पहुंचती है। इसी प्रकार साधक को भी अपने उद्गम स्थल परमात्मा तक पहुंचना है। कार्यक्रम में बाड़मेर शहर में रहने वाले स्वयंसेवक परिवार सहित सम्मिलित हुए। इस दौरान स्नेहभोज एवं पितृजनों का श्राद्ध कार्यक्रम भी रखा गया।

विचार क्रांति...

क्षत्रिय का कर्म है सज्जनों की रक्षा करना और दुर्जनों का विनाश करना। लेकिन बिना शक्ति के न तो किसी की रक्षा की जा सकती है और न ही किसी का विनाश। अतः शक्ति को अर्जित करके ही हम क्षत्रिय के रूप में अपनी उपयोगिता बनाए रख सकते हैं। इसलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ पिछले 77 वर्षों से उस शक्ति के सृजन का कार्य कर रहा है। संघप्रमुख श्री ने आगे कहा कि कुछ लोग संघ के बारे में कहते हैं कि आप जाति की बात करते हैं इसलिए जातिवादी है लेकिन क्षत्रिय कभी जातिवादी नहीं होता। वह तो राष्ट्रवादी और मानवतावादी भी नहीं होता बल्कि समस्त प्राणी मात्र के हित के लिए जीने वाला होता है। राजा शिवि ने एक कबूतर के लिए अपना मांस काट कर दे दिया था, उसमें जातिवाद, राष्ट्रवाद अथवा मानवतावाद कहां है? यदि पाबूजी राठौड़ जातिवादी होते तो क्या वे फेरों के बीच में गठजोड़े को काटकर गायों की रक्षा के लिए जाते? राजा दिलीप केवल एक गाय की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने को तैयार हो गए थे, सुजान सिंह छापोली मोहन जी के मंदिर को बचाने के लिए विवाह से लौटते समय मार्ग में ही बलिदान हो गए। कर्तव्य की पुकार पर इस तरह बलिदान होने वाले क्या जातिवादी हो सकते हैं? इसलिए क्षत्रिय को जातिवादी कहना ही वास्तव में संकुचित मानसिकता का द्योतक है। वरिष्ठ स्वयंसेविका जागृति बा हरदासकासबास ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मातृशक्ति को अधिक से अधिक संख्या में संघ से जोड़कर ही समाज में आ रहे बिखराव को रोका जा सकता है। संघ के शिविरों और शाखाओं के माध्यम से हमारी आने वाली पीढ़ी संस्कारित बने, अपने क्षत्रिय धर्म का पालन करने वाली बने, इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। संभाग प्रमुख विक्रम सिंह कमाणा ने पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत संभाग में हो रहे कार्यों की जानकारी दी। पीलुडा में चल रहे मातृशक्ति प्रशिक्षण शिविर के दौरान आयोजित इस स्नेहमिलन में पूरे संभाग से समाजबंधुओं व मातृशक्ति की उपस्थिति रही। सिद्धराज सिंह पीलुडा, थान सिंह लोरवाड़ा, अरविंद सिंह नारोली ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया।

सुरजभान सिंह खिरियां को दी श्रद्धांजलि

श्री क्षत्रिय सभा सरवाड़ व श्री राजपूत सभा अजमेर के महामंत्री स्वर्गीय सुरजभान सिंह खिरियां की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन श्री जगदम्बा छात्रावास केकड़ी में 8 अक्टूबर को किया गया। सभा में मौजूद सदस्यों द्वारा खीरियां द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सभा में श्री राजपुत सभा अजमेर अध्यक्ष महेंद्र सिंह ढोस, श्री राजपुत सभा केकड़ी अध्यक्ष नरपत सिंह गुलगाँव व श्री क्षत्रिय युवक संघ के अजमेर प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

भैरू सिंह तिरसिंगड़ी को मातृशोक

श्रीमती चनण कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक भैरू सिंह तिरसिंगड़ी की माताजी श्रीमती चनण कंवर धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री प्रभु सिंह का देहावसान 21 सितंबर को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

विभिन्न स्थानों पर मनाई राणा पूंजा जी सोलंकी की जयंती

मुगलों के विरुद्ध संघर्ष में महाराणा प्रताप के महत्वपूर्ण सहयोगी रहे राणा पूंजा जी सोलंकी की जयंती 5 अक्टूबर को उनकी जन्मस्थली पानरवा में समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में भोमट क्षेत्र के सर्वसमाज के बंधुओ ने उपस्थित रहकर राणा पूंजा के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। राणा पूंजा के वंशज मनोहर सिंह सोलंकी ने कहा कि पूंजा जी किसी एक समाज के ही नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए पूजनीय है। ऐसे आयोजन उन राजनीतिक दलों को जनता का उत्तर है जो अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए इतिहास को विकृत करके जातीय वैमनस्य को बढ़ावा देते हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ के मेवाड़-मालवा संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा ने उपस्थित समाजबंधुओ को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह की जानकारी देते

हुए सभी को 28 जनवरी 2024 को दिल्ली पहुंचने का निमंत्रण दिया। परीक्षित सिंह पानरवा ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान जनजातीय नृत्य गवरी का भी मंचन हुआ। पिंडवाड़ा स्थित केशव भगवान मंदिर में भी पूंजा जी की जयंती मनाई गई। उपस्थित समाजबंधुओ ने पूंजा जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए एवं उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की। रानीवाड़ा क्षेत्र के सेवाड़ा गांव में भी पूंजा जी की जयंती मनाई गई जिसमें मोती सिंह सेवाड़ा ने पूंजा जी के संघर्ष और बलिदान के बारे में बताया। पाली जिले के जोजावर कस्बे में स्थित भूतिया बाग परिसर में भी पूंजा जी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। यशपाल सिंह मगरतालाब, मानवेंद्र सिंह बागोल, कृष्णपाल सिंह गुड़ा दुर्जन व दशरथ सिंह सोलंकी ने पूंजा जी के जीवन चरित्र के बारे में बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मंत्री शक्ति सिंह परिहार पहुंचे आलोक आश्रम

जम्मू कश्मीर के पूर्व सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री व डोडा पश्चिम से पूर्व विधायक शक्ति सिंह परिहार ने 28 सितंबर को बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम पहुंचकर श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर से भेंट करके उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली एवं विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। माननीय संरक्षक श्री ने उन्हें यथार्थ गीता पुस्तक भेंट की। शक्ति सिंह भारतीय जनता पार्टी के बाड़मेर जिले के प्रवासी प्रभारी भी है।

कर्नल केसरी सिंह बने राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य

नागौर जिले की मकराना तहसील के शिवरासी गांव के निवासी कर्नल केसरी सिंह को राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान लोक सेवा आयोग का सदस्य मनोनीत किया गया है। उन्होंने 9 अक्टूबर को अपना पदभार ग्रहण किया एवं उनका कार्यकाल 6 वर्ष का होगा।

दिल्ली एवं बेंगलुरु में पीर शांतिनाथ जी की पुण्यतिथि पर कार्यक्रमों का आयोजन

दिल्ली के शास्त्री नगर में 30 सितंबर को भैरूनाथ अखाड़ा जालंधर पीठ सिरे मंदिर (जालोर) के दिवंगत महंत शांतिनाथ महाराज की 11वीं पुण्यतिथि पर राजस्थान राजपुत परिषद् द्वारा भजन संध्या एवं प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली में रहने वाले राजस्थानी प्रवासी समाजबंधु सपरिवार सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में जयपुर से आए श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवन्त सिंह पाटोदा ने 28 जनवरी को दिल्ली में होने वाले पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में भाग लेने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि जैसे शांतिनाथ जी हम सबके लिए पूजनीय है और हम सब आज उनकी पुण्य तिथि पर एकत्रित होकर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं वैसे ही हमारे समाज में पूज्य श्री तनसिंह जी जैसे महापुरुष हुए जिन्होंने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की। 28 जनवरी 2024 को उनके जन्म को 100 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं जिसके उपलक्ष में दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें हम सभी को उपस्थित रहना है। 1 अक्टूबर को शांतिनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति में बेंगलुरु स्थित चामुंडा माता मंदिर प्रांगण में राजपूत समाज भवन में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थानी कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। इससे पूर्व 30 सितंबर को भी राजस्थानी राजपूत समाज द्वारा अन्न प्रसाद का वितरण किया गया।

मेड़ता सिटी में राजपूत समाज की राजनैतिक चिंतन बैठक का आयोजन

मेड़ता सिटी स्थित श्री चारभुजा राजपूत छात्रावास में 2 अक्टूबर को राजपूत समाज की राजनैतिक चिंतन बैठक आयोजित हुई जिसमें नागौर, खींवसर, जायल, डेगाना और मेड़ता विधानसभा क्षेत्र के राजपूत जनप्रतिनिधि एवं समाजबंधु सम्मिलित हुए। श्री चतुर्भुज शिक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष बन्नेसिंह आलनियावास की अध्यक्षता में आयोजित बैठक को श्री क्षत्रिय महासभा डेगाना अध्यक्ष अजीत सिंह चांदारूण, श्री अमर राजपूत छात्रावास नागौर के अध्यक्ष विक्रम सिंह अडवड, राजू सिंह रोहिणा, उम्मेद सिंह खींवसर, मनोहर सिंह थांवला, आनंद सिंह खिंदास, मनोहर सिंह किरड, भूपेंद्र सिंह रेवत, वीरेंद्र सिंह मेड़ता रोड, नरेंद्र सिंह दधवाड़ा आदि ने संबोधित किया और सभी ने भाजपा के प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेतृत्व से मांग की कि जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में से एक में राजपूत समाज के जनप्रतिनिधि को टिकट दी जाए। ऐसा होने पर ही जिले के राजपूत समाज द्वारा भाजपा को समर्थन देने की बात कही गई।

शेरगढ़ में राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

जोधपुर जिले के शेरगढ़ कस्बे में स्थित आवड माता मंदिर परिसर में राजपूत विकास समिति के तत्वावधान में छठे राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन, राजकीय सेवाओं में चयन, राज्य व राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली राजपूत समाज की 400 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को पीसीसी सदस्य उम्मेद सिंह राठौड़, चौपासनी शिक्षा समिति के अध्यक्ष रावल किशन सिंह जसोल, आरएएस अधिकारी पुष्पा कंवर सिसोदिया, प्रोफेसर रामसिंह बालेसर ने संबोधित किया एवं विद्यार्थियों से सकारात्मक भाव के साथ आगे बढ़ने और समाज हित में कार्य करने की बात कही। शिवगिरी महाराज व प्रेमाराम महाराज द्वारा आशीर्वचन प्रदान किया गया। राजपूत विकास समिति के अध्यक्ष भगवान सिंह तेना ने समिति द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। मदन सिंह सोलंकियातला ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर राजपूत सभा भवन शेरगढ़ के निकट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास भी किया गया।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org